ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-09-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-09-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-09-07	2024-09-08	2024-09-09	2024-09-10	2024-09-11
वर्षा (मिमी)	10.0	5.0	3.0	2.0	2.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	33.0	34.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	21.0	20.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	72	72	78	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	5	5	4
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	50	340	340
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	8	5	5	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (30 अगस्त-5 सितंबर) में 14.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.0 से 35.0 डिग्री सेल्सियस और 24.9 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिन आसमान में बादल छाए रहे। सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 0712 बजे 83 से 93% के बीच और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता 1412 बजे 62 से 95% के बीच रही। हवा की गति 1.5 से 4.4 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर की ओर थी। आगामी पांच दिनों के पूर्वानुमान में 2-10 मिमी की हल्की वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा 20-21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अंदेशा है। हवा की गति दक्षिण-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व दिशा से 4-6 किमी प्रति घंटे रहने की सम्भावना है। इस अवधि के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है, 6 सितंबर को कुछ स्थानों पर और 7 से 12 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर ऐसा हो सकता है। 6 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने के बारे में पीली चेतावनी जारी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.25-0.50 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 06.09.2024 से 12.09.2024 के दौरान सामान्य से कम वर्षा, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल में अब बालियाँ बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिसके दौरान यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी होगी, साथ ही खेत में उचित सिंचाई और जल निकासी की व्यवस्था करनी होगी। शुष्क परिस्थितियों में खेत में 1-1.5 सेमी पानी का स्तर बनाए रखें। जीवाणुजनित झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर पत्तियों पर पानी भरे धब्बे दिखाई देते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियों में बदल जाते हैं और अंततः हल्के भूरे रंग के हो जाते हैं। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए खेत में जलभराव की स्थिति न रखें। इसके साथ ही नाइट्रोजन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए और रोग के अधिक होने पर 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। ईटीएल से ऊपर तना छेदक दिखने पर, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 20 एस. सी.,150 एमएल/है या फ्लूबेंडियामाइड 480 एस. सी., 75 एमएल/है या फिप्रोनिल 5 एस. सी.,1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टेप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्लू. पी. या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफोस 20 ई. सी. को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। सामान्य कीट यानी ब्राउन प्लांट हॉपर के दिखने पर किसानों को फिप्रोनिल 5 एस. सी.,1000 एमएल/ बुप्रोफेज़िन 25 एस. सी.,1 लीटर/ थियामेथोक्सम 25 डब्लू. एस. जी.,100 ग्राम की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास किया जाना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेजिन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्राइफ्लुमेजोपाइरिम तथा तना छेदक+भूरे पादप हॉपर के आक्रमण की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एस.सी. का प्रयोग किया जाना चाहिए।
गन्ना	सबसे अधिक प्रचलित लाल सड़न रोग के लक्षण मानसून के मौसम के बाद दिखाई देते हैं और कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करने और अपने खेतों को साफ रखने की आवश्यकता होती है। संक्रमित गन्ने को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए ताकि आगे प्रसार को रोका जा सके। संक्रमित गन्नों को पूरी तरह से नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सबसे अच्छा निवारक उपाय है। आवश्यकतानुसार, दो पंक्तियों के तीन डंठलों को एक साथ बांधना चाहिए (कैंची से बांधना)। सफेद ग्रब के संक्रमण के मामले में फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी, 200 ग्राम / एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुवाई की तैयारी उपचारित रैटून के साथ करनी चाहिए।
मक्का	जैसे ही भुट्टे भरने शुरू होते हैं, आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। कीट संक्रमण होने पर उचित खेती के उपाय करने चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फ़ॉल आर्मी वॉर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी, 0.4 मिली / लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) होने पर मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डाबलू पी, 1.5 -2.0 किग्रा को 750-800 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
मूँग	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए तथा फसल की आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाले पीले मोजेक वायरस के प्रकोप पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. , 0.5 लीटर/हेक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर प्रयोग करें। किसानों को पीले मोजेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
काला चना	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए तथा फसल की आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाले पीले मोजेक वायरस के प्रकोप पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. , 0.5 लीटर/हेक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर प्रयोग करें। किसानों को पीले मोजेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
सोयाबीन	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए तथा फसल की आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाले पीले मोजेक वायरस के प्रकोप पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. , 0.5 लीटर/हेक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर प्रयोग करें। किसानों को पीले मोजेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
मूँगफली	टिक्का रोग में पत्तियों पर हल्के भूरे रंग के गोलाकार धब्बे बनते हैं, जिनके चारों ओर निचली सतह पर पीले रंग के घेरे होते हैं। इसके उपचार के लिए क्लोरोथेनोनिल, 2 किग्रा/हेक्टेयर या मेन्कोजेब 80%, 2 किग्रा/हेक्टेयर या प्रोपिकोनाजोल 25 ई.सी., 500 मिली. को 800 से 1000 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोलकर 10-12 दिन के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी, पत्तागोभी और नोल-खोल की पछेती किस्मों की रोपाई इस महीने में की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब पौधे 4-6 सप्ताह के हो जाएं या उनमें 4-6 पत्ते आ जाएं। रोपाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मूली	मूली की यूरोपीय किस्में जैसे पूसा हिमानी, पूसा मधुशाला, स्कारलेट ग्लोब, स्कारलेट लॉन्ग, गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्में जैसे पूसा केसर, पूसा मेघाली, अर्का सूरज, पूसा वृष्टि, पूसा रुधिरा और चुकंदर की किस्में जैसे क्रिमसन ग्लोब, अर्ली वंडर, डेट्रॉएट डार्क रेड इस महीने में बोई जा सकती हैं। शुष्क मौसम की स्थिति में बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
पालक	मैदानी क्षेत्रों में उपचारित पालक के बीज को 25-35 किग्रा बीज/हेक्टेयर की दर से पंक्ति से पंक्ति तथा बीज से बीज की दूरी क्रमशः 15-20 सेमी तथा 5-7 सेमी, 2.5 सेमी की गहराई पर बोया जा सकता है।
मिर्च	मिर्च की फसल की ऊपरी डंठल सूखने पर और काली पड़ने पर संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा देना चाहिए, ताकि फसल को बचाया जा सके। फसल को सड़ने से बचाने के लिए 0.1% कारबेंडाजीम के घोल का छिड़काव करें।
पपीता	पपीते में कॉलर रॉट रोग होने पर मेटालैक्सिल + मैन्कोजेब (रिडोमिल गोल्ड), 2 ग्राम / लीटर पानी का प्रयोग बहुत प्रभावी पाया गया है। 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराया जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ों का दूध छह माह के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए खुरों को 10% फार्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट के लिए कम से कम 3 दिन तक डुबोकर रखना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगाया जाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।